दिनांक 15 जून, 2017 को Indian Council of Medical Research द्वारा I.P.H. Auditorium, NRHM में "Targeted Intervention to Expand and Strengthen TB Control in Tribal Populations under the Revised National Tuberculosis Control Programme, India (The TIE-TB Project)" in Jharkhand के तहत 7 Diagnostic Vans के Flag Off कार्यक्रम के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

Indian Council of Medical Research द्वारा झारखण्ड राज्य में TB, जिसे यक्ष्मा अथवा क्षय रोग जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है, पर नियंत्रण की दिशा में इस प्रकार की पहल सराहनीय है।

आज हमारा Medical Science दिन-प्रतिदिन विकसित हो रहा है। ऐसे में TB पर पूर्ण नियंत्रण हमारे चिकित्सकों के लिए बड़ी बात नहीं है। हम पूर्णरूप से TB का समाज से उन्मूलन हो, इस ओर सोच रहे हैं। आवश्यकता है कि लोगों को TB के प्रति जागरूक किया जाय, इसके लक्षणों के सन्दर्भ में जानकारी सुलभ कराई जाय, उनसे कहा जाय कि इस रोग का पूर्ण निदान संभव है। किसी भी प्रकार की भय की आवश्यकता नहीं है। निर्भिक होकर वे अपनी समस्याओं से अवगत करायें।

TB बच्चे, महिला, नौजवान, वृद्ध किसी को भी हो सकती है। घबरायें नहीं, उसका इलाज करायें। समाज भी उसका साथ दें। चिकित्सक के साथ-साथ बुद्धिजीवी लोग इसके प्रति लोगों को जागरूक करें। पंचायत सदस्यगण भी इन सब दिशा में ध्यान दें। इस अवसर पर मैं नामचीन चिकित्सकों से भी कहना चाहूँगी कि वे

बीच–बीच में माह में दो से तीन बार बार भी ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर जाँच करें और रोगियों को इलाज के प्रति प्रेरित करें। यदि हमारे डॉक्टर और मरीज दोनों जागरूक हो जायेंगे तो समाज से पूर्णरूपेण ऐसे रोग का उन्मूलन हो जायेगा।

यह भी कटू सत्य है कि ग्रामीण परिवेश में रहनेवाले इन जनजातियों का एक बहुत बड़ा भाग गरीबी में जी रहे होते हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा के प्रति जागरूक नहीं रहते हैं। जनजातियों में TB के कारण में Poverty, Illiteracy, Smoking और Alcohol का उपयोग है। प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, 1 लाख जनजातियों में 703 लोग TB से ग्रस्त है, जबकि 1 लाख जनसंख्या में 256 लोग ही TB से प्रभावित है। ये आँकड़े बताते हैं कि जनजाति लोग TB रोग से बुरी तरह प्रभावित हैं। चाहे वह जागरूकता के अभाव में हो या चिकित्सा के अभाव है। इस दृष्टि से हमारे चिकित्सकों का अहम योगदान है। वैसे भी समाज में चिकित्सकों को भगवान का रूप माना गया है। इस अवसर पर मैं चिकित्सकों का भी आह्वान करते हुए कहना चाहूँगी कि वे समाजहित में अधिक–से–अधिक सक्रिय होकर कार्य करें, जो व्यक्ति निजी अस्पताल चला रहे हैं और निजी चिकित्सक भी गरीबों के बीच जायें और उनका ईमादारीपूर्वक ईलाज करें। निश्चित रूप से, उनकी दुआ भी एक बहुत बड़ा धन है। साथ ही समाज को जो व्यक्ति देने का कार्य करते हैं, ये दुनिया उनको सदा याद रखती है।

यह अत्यन्त खुशी की बात है कि Indian Council of Medical Research द्वारा इस Project के तहत well equipped diagnostic Van जिसमें X-ray, Sputum

microscopy, Ac की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही power back के लिए Generator और Inverter की सुलभ रहेंगे। मैं चाहूँगी कि यह गाड़ी Remote से Remote Area में भी जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जाँच करें। इस कार्य में लगे चिकित्सक एवं कर्मी समर्पित भाव से कार्य करेंगे, ऐसी मेरी आशा है। साथ ही अपेक्षा है कि diagnostic Van एक अभियान के रूप में सभी जगह जाकर सबका जाँच करें और किसी में TB के लक्षण पायें तो उसके उपचार के लिए सक्रिय रहें।

जय हिन्द्! जय झारखण्ड!